## पेज 232

**प्रश्न 1:**

मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने के लिए खाद तथा उर्वरक के उपयोग की तुलना कीजिए।

**उत्तर 1:**

खाद

खाद में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा अधिक होती है यह पौधों को अल्प मात्रा में पोषक प्रदान करते हैं। खाद को जंतुओं के अपशिष्ट तथा पौधों के कचरे के अपघटन से तैयार किया जाता है। खाद मिट्टी को पोशाकों तथा कार्बनिक पदार्थों से परिपूर्ण करती है और मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है। खाद में कार्बनिक पदार्थों की अधिक मात्रा मिट्टी की संरचना में सुधार करती है। इसके कारण रेतीली मिट्टी में पानी को रखने की क्षमता बढ़ जाती है। चिकनी मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की अधिक मात्रा पानी को निकालने में सहायता करती है जिससे पानी एकत्रित नहीं होता।

उर्वरक

उर्वरक व्यावसायिक रूप में तैयार पादप पोषक हैं। इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस तथा पोटैशियम की अधिकता होती है। इसके उपयोग से अच्छी कायिक वृद्धि (पत्तियाँ, शाखाएँ तथा फूल) होती है और स्वथ्य पौधों की प्राप्ति होती है। इनका उपयोग अधिक उत्पादन के लिए किया जाता है। उर्वरक की अधिक मात्रा जल प्रदूषण का कारन होती है। उर्वरक का लगातार प्रयोग मिट्टी की उर्वरता को घटाता है। इसके लगातार उपयोग से मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की पुनः पूर्ति नहीं हो पाती जिससे सूक्ष्म जीवों एवं भूमिगत जीवों का जीवन चक्र अवरुद्ध होता है। यद्दपि उर्वरकों के उपयोग से कम समय में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं परन्तु यह मृदा की उर्वरता को हानि पहुँचाते हैं।